हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 29 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान

मण्डला। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार शा.जग.मु.चौ. स्नातक महिला महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.) में हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के तत्वाधान में सोशल मीडिया अभियान का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों, हेल्पलाईन और शी बॉक्स पोर्टल के बारे में प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा जानकारी दी गई। साथ ही जागरूकता फैलाने के लिये हैशटेग के साथ सोशल मीडिया द्वारा प्रचार प्रसार किया गया। जिसमें (सेक्सुअल हैरेसमेंट इलेक्ट्रानिक) बॉक्स अर्थात यौन उत्पीड़न से बचाव हेतु इलेक्ट्रानिक बॉक्स के बारे में जानकारी साझा की गई। चूँकि यह भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया प्रयास है। जिसके तहत प्रत्येक महिला को चाहे वह संगठित हो या असंगठित निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत हों, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत के पंजीकरण की सुविधा के लिये एकल खिड़की प्रदान की जाती है। चाहे वह किसी भी कार्यस्थिति में कार्यरत हो इसके लिये प्रत्येक कार्यस्थल में आंतरिक परिवाद समिति का गठन किया गया है, आप चाहे तो वन स्टॉप सेंटर में स्वयं आ सकते हैं या मो.नं. 07642-252699 पर कॉल करके मदद ले सकते हैं। इसके अलावा अन्य हेल्पलाईन नंबर 181, 1090, 1098, 112 पर कॉल करके मदद ले सकते हैं। चूंकि यह आज से ऑनलाईन शी बॉक्स चालू हो रहा है इसीलिये इसकी जानकारी प्रत्येक महिला तक पहुँचे इसीलिये इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसके लिये सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था जिसमें कॉलेज की लड़कियों ने खुशी-खुशी सेल्फी भी खिंचवाई। सभी को बताया गया की नंबरों का उपयोग किस प्रकार किया जाये ? साथ ही बताया गया कि जरूरत पड़ने पर पुलिस सहायता ली जा सकती है। साथ ही पॉक्सो, घरेलू हिंसा अधिनियम और बाल विवाह निषेध जैसे प्रमुख कानूनों के प्रचार हेतु ट्वीट, इन्फोग्राफिक्स और ऑडियो/विजुअल का उपयोग बताया गया। शॉर्ट फिल्मों को दिखाये जाने के संबंध जानकारी दी गई। उक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एन खरे, सहायक प्रोफसर डॉ. अंजू सिंग, डॉ. कोमल चंद्रौल, समस्त छात्रायें एवं वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक मधुलिका उपाध्याय, केसवर्कर आशा नंदा, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता हरिशंकर कछवाहा और आरती वरकड़े उपस्थित रहे।

यात्रियों को पेश आ रही परेशानी, नगर का नाम होता खराब

बस स्टैंड में गंदगी का आलम

*** स्वच्छता की इस तरह हो रही अनदेखी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के बस स्टैंड पर गंदगी का आलम यह है कि यहां की सफाई व्यवस्था बिल्कुल ही नदारद है। बसों की सफाई और धुलाई तो की जाती है, लेकिन उनके अंदर का कचरा बस स्टैंड पर ही फेंक दिया जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र में गंदगी फैल जाती है। इसके अलावा, रात के समय कुछ लोग शौचक्रिया के लिए बस स्टैंड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे चारों तरफ गंदगी का साम्राज्य बना रहता है।

यात्रियों को इस गंदगी के बीच से बसों से उतरने में परेशानी होती है, और अगर वे अपना सामान नीचे रखते हैं तो वह भी गंदा हो जाता है। यह स्थिति न केवल यात्रियों के लिए असुविधाजनक है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकती है। आज जबकि स्वच्छता का संदेश नगरपालिका द्वारा सुबह शाम पूरे नगरवासियों को दिया जा रहा है ऐसे में इस तरह की अनदेखी नगरपालिका प्रशासन की ही अस्मिता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है।

स्थानीय प्रशासन से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस समस्या को गंभीरता से लें और बस स्टैंड की सफाई व्यवस्था को सुधारें। इसके अलावा, शौचालयों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि यात्रियों को गंदगी के बीच न उतरना पड़े। यदि इस दिशा में जल्दी कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह समस्या और बढ़ सकती है, जिससे यात्रियों को और भी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

इनका कहना है:-

आपके द्वारा मामला संज्ञान मे लाया गया, सीएमओ से चर्चा कर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। और समस्या स्थाई समाधान हेतु आगामी बैठक मे यह बात रखी जायेगी।

-अखिलेश कछवाहा, उपाध्यक्ष नगरपालिका मण्डला

स्वनिधि भी स्वाभिमान भी पखवाड़ा अभियान में मिला पथ विक्रेताओं को लाभ

*** शासन की नीतियों से परिवार अपनी आर्थिक स्थिति सुदृण कर रहे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना में गति लाने के उद्देश्य से दो दिसंबर 2024 तक 'स्वनिधि भी स्वाभिमान भी' पखवाड़ा अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत शिविर में पात्र पथ विक्रेताओं को 8 जनकल्याणकारी योजनाएँ- (पीएम सुरक्षा बीमा, पीएम जीवन ज्योति योजना, जनधन इत्यादि एवं पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत बैंकों के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। शिविर अंतर्गत पीएम स्वनिधि योजना में 68 हितग्राहियों को ऋण राशि 18.70 लाख रु), मैं भी डिजिटल-117 हित एवं स्वनिधि से समृद्धि योजना में 74 सोशल प्रोफाइलिंग एवं जनकल्याणकारी योजनाएँ में 429 हितग्राहियों को स्वीकृति सहित 688 पथविक्रेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को लाभान्वित किया गया है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नगरीय क्षेत्र के पथ विक्रेताओं से अपील की है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में पंजीकरण हेतु आधार कार्ड, बैंक पासबुक की फोटोकोपी, दो फोटो एवं मोबाइल नंबर के साथ शिविर में उपस्थित होकर लाभ उठाएँ, योजना अंतर्गत विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय नगरपालिका परिषद मंडला, शाखा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में संपर्क कर सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला में मनाया गया संविधान दिवस

मण्डला। भारत में संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 1949 को इसी दिन हमारे देश ने अपना संविधान अपनाया था। इसी तारतम्य में विगत दिवस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला में न्यायाधीश प्रवीण सिन्हा के मुख्य आतिथ्य में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून क्यों आवश्यक है विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मण्डला के 12 वीं के छात्र यशमीत प्रकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संविधान दिवस पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए न्यायाधीश प्रवीण सिन्हा ने कहा कि संविधान अनुसार-व्यक्ति द्वारा प्राप्त दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन न करना भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्माननीय अतिथियों एवं श्रोताओं ने सभी छात्र-छात्राओं एवं यशमीत प्रकाश के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की।

थाना खटिया क्षेत्र में रात्रि के समय गर्भवती महिला का हुआ स्वास्थ्य खराब

मण्डला। मण्डला के थाना खटिया क्षेत्र के कामता माल गाँव में कॉलर की बहन का स्वास्थ्य खराब हो गया है, कॉलर की बहन गर्भवती है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 27-11-2024 को रात्रि 08:50 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल खटिया थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक सचिन मर्सकोले पायलेट रवि शंकर बोरिकर ने मौके पर पहुँचकर बताया कि 22 वर्षीय गर्भवती महिला का अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया था। अस्पताल पहुँचने का अन्य कोई साधन उपलब्ध नहीं होने पर महिला के भाई ने डायल-100 नंबर पर कॉल कर मदद माँगी थी। डायल-112/100 जवानों ने महिला को परिजन के साथ एफ़ आर व्ही वाहन से शासकीय अस्पताल बम्हनी पहुँचाया। डायल-112/100 जवानों की तत्परता से महिला को समय पर उपचार मिला।

कार्यवाही | शराब सहित लगभग 22.50 लाख का मसरूका जब्त।

110 पेटी अंग्रेजी शराब थाना बीजाडांडी पुलिस ने किया जब्त

*** शराब के अवैध परिवहन पर कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, विक्रय व अवैध रूप से परिवहन के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रहीं हैं। इसी तारतम्य में थाना बीजाडांडी पुलिस द्वारा गत रात्री दिनांक 28/11/2024 को मुखबिर की प्राप्त सुचना पर शराब के अवैध परिवहन के विरूद्ध जबलपुर रायपुर हाइवे पर थाना बीजाडांडी पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी इलेश चौहान पिता दिलीप चौहान उम्र 19 वर्ष निवासी फुलवाडी थाना कोतवाली जिला मण्डला व एक नाबालिग के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन जिसमें पीले रंग की तिरपाल बंधी व अवैध अंग्रेजी शराब जिनियस व्हीस्की की 24 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक में 180 एम.एल. शराब कुल मात्रा 216 लीटर कीमती करीबन 1,60,000 रूपये, एम.डी. रम के 26 पेटी प्रत्येक पेटी में 48 क्वाटर प्रत्येक क्वाटर मे 180 एम.एल. शराब कुल 234 लीटर कुल कीमती करीबन 1,80,000 रूपये, हंटर वियर की 03 पेटी प्रत्येक पेटी में 12 बाटल प्रत्येक 650 ग्राम कुल 24 लीटर कुल कीमती 8000 रूपये, जिनियस रम के 02 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक क्वाटर में 180 एम.एल. कुल 18 लीटर शराब कुल कीमती 13,000 रूपये, ओल्ड मॉक अंग्रेजी शराब की 03 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक क्वाटर मे 180 एम.एल. कुल शराब 27 लीटर कुल कीमती 21,000 रूपये, एम.डी. व्हीस्की की 03 पेटी प्रत्येक पेटी मे 48 क्वाटर प्रत्येक क्वाटर 180 एम.एल. कुल शराब 27 लीटर जुमला कीमती 31,000 रूपये, गोवा व्हीस्की शराब की 46 पेटी प्रत्येक पेटी में 50 क्वाटर प्रत्येक में 180 एम.एल. कुल कीमती 3,00,000 रूपये, प्लेन शराब के 03 पेटी प्रत्येक पेटी में 48 क्वाटर प्रत्येक में 180 एम.एल. कुल 27 लीटर कुल कीमती 15,000 रूपये, अंग्रेजी शराब की कुल 110 पेटी कीमती 7,28,000 रूपये, कुल वाहन सहित जुमला कीमती 22,28,000 रूपये की मशरूका जप्त किया गया। पुलिसटीम को वाहन रोकता देखकर एक अन्य आरोपी संजय दौहरे उर्फ रेड मौके से फरार हो गया। उक्त तीनों के विरूध्द थाना बीजाडांडी में धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबध्द किया गया।

उक्त संपूर्ण कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस निवास के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बीजाडांडी निरीक्षक अंतिम पंवार के नेतृत्व में उनकी टीम जिसमें उप निरीक्षक पंकज विश्वकर्मा, सउनि. हरिओम शुक्ला, प्र.आर. चैनसिंह, प्र.आर. रविन्द्र मरावी, आर. रोहित सिंगरौर, आर.नीरज बाकले, आर. जयसिंह मरावी, आर हेमराज, आर.आलोक मरावी एफ.आर.व्ही. वाहन चालक विरेन्द्र उइके, उत्तम साहू की विशेष भूमिका रही।

प्रदूषण एक्ट के तहत नरवाई जलाने पर लगा पूर्ण रूप से प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

किसान की ना समझी के कारण वह आए दिन खेतों को साफ करने के लिए एवं खेतों को खाद देने के उद्देश्य से धान काटने के उपरांत खेतों में आग लगा रहा है जबकि उसको मालूम नहीं है कि वह अपने खेत को सम्मूल्य नष्ट कर रहा है मध्य प्रदेश एवं भारत सरकार शासन ने खेतों को नरवाई जलाने को पूर्णत प्रतिबंध प्रदूषण एक्ट के तहत किया है लेकिन अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी जानकारी न होने के कारण किसान आज के खेतों में आग लगा रहे हैं खेतों को जलाने में प्रकृति का सबसे समूह नष्ट होता है जमीन की मिट्टी में रहने वाले केंचुए तथा अन्य कीट पतंग आग की जलन से नष्ट हो जाते हैं इसके साथ ही खेतों के किनारे रहने वाले पेड़ पौधों पर पक्षियों के बच्चे एवं घोसला तथा कीठ पतंग तितली के अंडे जैसे अनेक जीवों का अंत हो जाता है जिससे कि जैव विविधता नष्ट होती है इससे हमारे फसलों पर पैदावार कमजोर होगी और साथ ही खेतों की मिट्टी में क्षारीय गुण पैदा होने से फसल की उपज क्षमता कम होती चली जाएगी अतः आम किसान से अपील है कि वह अपने खेतों पर आग लगाने की कार्यवाही बिल्कुल ना करें आर के क्षत्रीय पर्यावरण सदस्य एवं जैव विविधता सदस्य ने अपील की है कि प्रकृति के संतुलन के लिए आवश्यक है कि हम सभी जीवो को बचाने में अपना योगदान दें इसके साथ ही उन्होंने पंचायत के सभी सरपंचों तथा राजस्व के सभी पटवारी तथा कर्मचारी व कृषि विभाग के कर्मचारी से से योग से अनुरोध किया है कि कोटवार के माध्यम से गांव-गांव में मुनादी कर आम जनता को जानकारी प्रदान करें ताकि आम जनता सजक हो सके व जानकारी हो सके विद्यालय के माध्यम से भी विद्यार्थियों को जानकारी देकर बच्चों में जागरूकता लाई जावेगी ताकि नरवाई को जलाने से रोका जा सकता है।

खबर संक्षेप

नगर के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में अतिक्रमण के चलते बन जाती है जाम की स्थिति

गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभय दान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और नही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है? क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है। जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है?

स्कूली समय पर नगर के अंदर से गुजर रहे भारी वाहनों पर पुलिस प्रशासन की उदासीनता हो रही उजागर

गाडरवारा। इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले स्टेशन रोड सहित नगर के अंदर जिस प्रकार से स्कूली समय पर भारी वाहनों को निकलते हुये देखा जा रहा है उसके चलते आये दिन जहां नगर में अंदर जाम की स्थिति निर्मित होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर स्कूली बच्चों की जिन्दगी भी खतरों से खाली दिखाई देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि नगर का राठी तिरहा से स्टेशन तक का प्रमुख मार्ग इस प्रकार का माना जाता है। वही दूसरी ओर इस मार्ग पर जहां अनेक स्कूलों के आलवा न्यायालय, तहसील कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय सहित रजिस्टार आफिस, बिजली आफिस, पुलिस थाना सहित अनेक निजी स्कूल संचालित हो रहे है। इस स्थिति के चलते इस मार्ग पर दिन भर भीड़ भाड़ का आलम देखा जाता है, इसी सोच के चलते कुछ वर्ष पूर्व यहां की तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा इस मार्ग पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक व शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक के लिये स्थाई रूप से भारी वाहनों पर नो एन्ट्री का प्रस्ताव पास करते हुये इस मार्ग सहित नगर के अंदर भारी वाहनों के प्रवेश पर स्थाई प्रतिबंध का आदेश जारी किया गया था, जिसके लिये नगर के वाहर अलग अलग स्थानों पर वोर्ड भी स्थापित किये गये है। मगर इसे पुलिस की उदासीनता ही गई जावे कि इस मार्ग सहित ठीक पुलिस थाने के सामने से इस प्रकार से नो एन्ट्री अवधि के दौरान धडल्ले से भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई दिखाई देने के बाद भी पुलिस की कुम्भकर्णी निंद्रा भग्न नही हो पो से निश्चित ही पुलिस की उदासीनता की सच्चाई को उजागर करते हुये मासूमो की जिन्दगी खतरे में दिखाई दे रही है?

सरकारी बैकों में दलालों का राज, ग्रामीणों का नहीं होता बगैर पैसों का काज

सांईखेड़ा। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है, किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है। मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है,।

भगवान भरोसे चलते हुये दिखाई पड़ रही नगर की कृषि उपज मंडी की संपूर्ण व्यवस्थाएं .....

कृषि मंडी के प्लेट फार्म कई हफ्तों तक व्यापारियों द्वारा खरीदे अनाज का कब्जा रहने के कारण किसान होते रहते हैं परेशान

गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा अनाज कृषि उपज मंडियों में अपना अनाज विक्रय करने के लिये पहुंचने वाले किसानों को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने की बात तो कही जाती है। मगर वह सुविधएं मात्र कागजों तक ही सीमित रहने के चलते निश्चित ही किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की जवाहर कृषि उपज मंडी में देखने मिल रही है जहां पर जिम्मेदार अधिकारी बिहीन होकर मात्र प्रभारियों के भरोसे चलने वाली गाडरवारा तहसील की सबसे बड़ी मंडी शाम के वक्त जहां शराब की सुगंध से महखाने का रूप धारण करने से नही चूकती है तो दूसरी ओर देखा जावे तो किसानों को मंडी प्रशासन द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधायें भी कोसो दूर तक नजर नही आने के कारण संपूर्ण क्षेत्र में इस मंडी की शाख को बट्टा लगने का परिणाम है कि क्षेत्र के किसान अब इस मंडी के जगह अन्य शहरों की मंडियो की ओर रूख करते हुये देखे जाने लगे है। सही मायने में देखा जावे तो नगर की जवाहर कृषि मंडी की संपूर्ण व्यवस्थाएं भगवान भरोसे चलते हुये दिखाई दे रही है? क्योंकि यहां पर अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों द्वारा बरती जा रही मनमानी का परिणाम इस तरह देखने मिल रहा है कि शायद इस मंडी का भगवान ही मालिक है और इसी के चलते जहां मंडी प्रशासन की कार्य प्रणाली आये दिन चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस मंडी में अपना अनाज विक्रय करने के लिये आने वाले क्षेत्र के किसानों को अपने माल की सुरक्षा को लेकर सदा ही चिंता में देखा जाता है। इस मंडी में किसानों के अनाज की चोरी होना आम बात बन चुकी है। वही दूसरी ओर मंडी प्रशासन के माध्यम से किसानों को जो सुविधाएं मिलना चाहिये थी वह कोसो दूर तक नही आती है। मगर इस ओर मंडी प्रशासन द्वारा लगातार नजर अंदाज किये जाने के कारण क्षेत्र का किसान अपने अनाज को विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार की परेशानियों को झेलने के लिये मजबूर होता हुआ देखा जाता है। कहने के लिये तो मंडी प्रशासन द्वारा किसानों को अपना माल विक्रय करने में किसी भी प्रकार से परेशानी का सामना न करना पड़े और माल पूर्णरूप से सुरक्षित रहने के नाम पर हर वर्ष मंडी वोर्ड द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये मंडी परिसर में किसानों को अपना अनाज विक्रय हेतु मंडी वोर्ड के माध्यम से मिलने वाली लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये अनेक प्लेट फार्मो का निर्माण कराया गया है। मगर उन प्लेट फार्मो की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि उन प्लेट फार्मो का उपयोग किसानों द्वारा कम और यहां के व्यापारियों द्वारा अधोषित रूप से उन्हें माल गोदाम बनाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि व्यापारियों द्वारा खरीदा गया माल कई दिनों तक मंडी प्लेट फार्मो पर रखते हुये अतिक्रमण कर कब्जा जमाने से कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब हमारी टीम द्वारा नगर की जवाहर कृषि उपज मंडी का भ्रमण करते हुये देखा गया तो वहां के प्लेट फार्म की सच्चाई देखते हुये दंग रहने से नही चूके? क्योंकि मंडी परिसर में बने हुये प्लेट फार्म का हाल इस तरह से बना हुआ था कि प्लेट फार्म पर बोरो में भरे हुये माल की सुरक्षा को लेकर बाड़ी लगी हुई थी जो खुद ही इस बात का संकेत देने से नही चूक रहा था कि निश्चित तौर से यह माल बीते हुये कई दिनों से किसानों को उपयोग आने वाले प्लेट फार्म पर ही रखा हुआ है..? क्योंकि मंडी वोर्ड के नियम के अनुसार जब किसी व्यापारी द्वारा मंडी से माल खरीदा जाता है तो उसे तुरंत उठाकर प्लेट फार्म को खाली करना पड़ता है। मगर यहां पर किसी व्यापारी के रखे हुये माल पर इस तरह लगाई गई बाड़ी निश्चित ही मंडी वोर्ड के निमयों के विपरित होने के साथ साथ मंडी की सुन्दरता को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है। बडे ही हैरत की बात है कि इसके बाद भी जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित अनेक सबाल पैदा करते हुये जान पड़ रही है। इस संबंध में जब मंडी से संबंधित कुछ अधिकारीनुमा कर्मचारियों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि मंडी में अनाज विक्रय करने वाले व्यापारियों को मंडी से खरीदा हुआ माल उसी दिन उठाने का नियम होता है हाँ यह बात अलग है कि यदि कोई वाहन न मिल पा रहा हो या फिर माल उठाने में कोई परेशानी है तो ज्यादा से ज्यादा एक दिन तक रख सकते है। मगर खरीदा हुआ माल दूसरे दिन उठाना ही पड़ता है, इससे अधिक समय नही रखा जा सकता है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस प्रकार से मंडी के प्लेट फार्म पर अघोषित रूप से अतिक्रमण करते हुये जिस प्रकार से अनाज के बोरे रखे हुये है और उनकी सुरक्षा को लेकर किये गये प्रबंध ही अपने आप ही इस बात को सिद्व करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है कि यह माल इन प्लेट फार्मो पर बीते हुये कई दिनों से रखा हुआ है? इस सच्चाई को मंडी प्रशासन के कर्मचारियों से लेकर अन्य अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन देखे जाने के बाद भी किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न करना निश्चित ही इस बात का संकेत देते हुये जान पड़ रही है कि किसानों के लिये बनाये गये इन प्लेट फार्मो पर या तो अधिकारियों की मिली भगत के चलते कई दिनों तक कब्जा जमाया जाता है या फिर अधिकारियों की उदासीनता के चलते मंडी वोर्ड के निमयों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है।

भौरझिर-खुलरी सिहोरा सीमेन्ट सड़क की सच्चाई को लगतार उजागर किये जाने के बाद भी आज तक क्यों नहीं हुई कोई जांच.., इस गफलतबाजी के खेल में अधिकारियों का भी है मेल...?

खुलरी। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब क्षेत्र में किसी बड़ी सौगात मिलती है तो जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की मेहनत का ही परिणाम होता है। मगर जब उस सौगात का निर्माण कार्य होने के दौरान उसमे गुणवत्ता को दर किनार करते हुये गफलबाजी की जाने के दौरान जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित तौर से उसके द्वारा की गई सारी मेहनत पर पानी फिरने में देर नही लगाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय करोड़ो की लागत से चंद वर्ष पहले निर्मित हुई क्षेत्र के लिंगा से कुसमी सगौरिया होते हुये भौरझिर, खुलरी से सिहोरा सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य के दौरान जो सच्चाई देखने मिली है उसके चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा गफलत बाजी बरती गई है उसका हाल ऐसा बनते हुये देखा जा रहा है कि सही मायाने में देखा जावे तो अभी तक इस सीमेन्ट सड़क का कार्य पूरा भी नही हो पाया है और सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारो के साथ साथ टूटती हुई सड़क अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को खुद ही उजागर करने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क की जब क्षेत्रवासियों के लिये सौगात मिली थी तो निश्चित तौर से क्षेत्र के लोग फूले नही समा रहे थें कि अब क्षेत्रवासियों को लम्बे समय तक सड़क की परेशानी से निजात मिल जाबेगी। मगर यह सोच क्षेत्र के लोगों के लिये एक सपना ही साबित होने से नही चूक पाई तथा हाल ही में निर्मित हुई सड़क जिस प्रकार से जहां तहां से टूटते हुये अपनी गुणवत्ता कहानी बता रही है । इस सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई जांच न होना निश्चित तौर से इस बात का संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि शायद अब इस गफलत बाजी के खेल में धिकारियों से लेकर जिम्मेदारों की भी मेल हो चुका है..? क्योंकि कुछ साल पहले करोड़ो की राशि से बनाई गई से बन रही इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस गुणवत्ता का अपनाते हुये कार्य शुरू किया गया तो शुरूआती तौर से ही मीडिया द्वारा आवाज उठाना शुरू कर दिया गया था। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी तरह से न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा जिसका परिणाम इस तरह से देखने मिला कि इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण होते ही टूटते हुये देखे जाने के कारण उसकी गुणवत्ता उजागर होने लगी है। इस प्रकार से हाल ही में निर्मित हुई इस सीमेन्ट सड़क के जहां तहां से टूटने की सच्चाई को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर करते हुये जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाते हुये सड़क निर्माण के गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर किया गया था। मगर शायद उनके द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अब निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी सच्चाई को छुपाने की सोच रखते हुये आये दिन सड़क पर निकल रही दरारों की लीपा पोती करते हुये देखा जा रहा है..? इस तरह क्षेत्र के विकास के नाम पर अधिकारियों की अनदेखी के चलते शासकीय धन की होली खेली जा रही है और उसकी लेकर सरकार के पेहरेदारों से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर यह अनुमान लगने से भी नही चूक रहा है कि शायद प्रदेश की सत्ता में लगातार चौथी बार आई पार्टी के कन्ट्रोल अधिकारियों की लगाम भी बाहर हो चुकी है..? कुछ साल पहले बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क की निष्ठा से जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाले सच्चाई उजागर होने के कारण उन अधिकारियों की पोल भी खुलने से नही बच पायेगी जिनके मार्ग दर्शन में इस सीमेन्ट सड़क निर्माण होने के बाद अपनी ओर से संतुष्टि प्रमाणपत्र जारी किया गया था।

जनपद पंचायत चीचली के सभागार में संपन्न हुआ एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय अल्प विराम कार्यक्रम, वितरित किये प्रमाण पत्र

चीचली। राज्य आनंद संस्थान के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम बीते हुये दिवस स्थानीय जनपद पंचायत के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 3 मास्टर ट्रेनर, 5 आनंदक, 60 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता प्रदान की गई। इस दौरान सीईओ जनपद डीआर उईके ने अधिकारी- कर्मचारियों को कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराया। वही कार्यक्रम उपरान्त सभी सहभागियों के सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए। मास्टर ट्रेनर सुश्री दीप्ति ठाकुर ने जीवन का लेखा- जोखा व वर्तमान में लोगों की भाग दौड़ भरी जिंदगी, व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में आनंद की अनुभूति के बारे में विस्तार से बताया गया। इसी प्रकार से यमुना विश्वकर्मा द्वारा स्वयं के जीवन में आनन्द की अनुभूति के साथ परिवार व कार्यस्थल के साथ सामाजिक जीवन में भी आनन्द रहे, जिससे दूसरों को भी आनंदित किया जा सके आदि के बारे में बताया गया। वही दूसरी ओर श्रीमती मुक्ति राय ने पारिवारिक- सामाजिक के साथ व्यक्तिगत रिश्तों के आनंद के साथ सौहार्द का वातावरण निर्माण करने के उपायों जैसे सामूहिक भोज, नृत्य, भजन- पूजन, खेल व निर्णय आदि के बारे में बताते हुये उन्होंने संबंधित गतिविधि के साथ सम्पादन पर सत्र में विचार रखे और आनंदक गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। वहीआनंदक शशिकांत मिश्र ने जीवन में मदद किसने की उसका स्मरण और उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने जैसे जीवन से जुड़े घटना क्रम को साझा किया। प्रतिभागियों ने सभी सत्रों में क्रमशः विभिन्न विषय पर अपने जीवन से जुड़ी स्मृतियां साझा की गई। आनंदक अमित नामदेव एवं शुभम नाथ द्वारा कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रदान दिया। आनंदक धर्मेन्द्र चंदेल एवं आनंदक सत्यम नेमा ने कार्यक्रम का संचालन किया। चीचली ब्लॉक में संचालित एक दिवसीय अल्पविराम आनन्द की कार्यशाला में आनन्द एवं कुशलता को मापने के पैमानों की पहचान करते हुए सार्थक अनुभूति की तथा अल्पविराम कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने फीडबैक के रूप में बताया कि यह कार्यक्रम वर्तमान की भाग-दौड़ और कार्य के संपादन व क्रियान्वयन के मानसिक दबाव को न केवल कम करेगा, बल्कि लोगों के व्यक्तिगत, पारिवारीक तथा सामाजिक जीवन में आनन्द की सुखद अनुभूति करायेगा।

जब पर्याप्त मात्रा में खाद आ रहा है तो फिर किसानों की हालत इस तरह क्यों बन रही है....?

गाडरवारा। जहां एक ओर आये दिन जिला से लेकर स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों को यह बात कहते हुये सुना जाता है कि जिले में किसानों के लिये डीएपी व यूरिया सहित अन्य खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और लगातार रेक आ रहे है किसानों को खाद के लिये कोई परेशानी नही है। मगर खाद वितरण केन्द्रो पर एक एक बोरी डीएपी व यूरिया खाद के लिये जिस तरह किसानों को जूझते हुये देखा जा रहा है। इस सच्चाई को लेकर सबाल यह पैदा होने से नही चूक पा रही है कि जब पर्याप्त मात्रा में खाद के रैक आ रहे है तो फिर किसानों को मिल क्यों नही पा रहा है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय किसानों को एक एक बोरी खाद प्राप्त करने के लिये दिन दिन भर लम्बी लाईनों में खड़ा होने के बाद भी जब शाम को खाद नही मिल पाती है तो हताश होकर खाली हाथ लौटने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर खाद वितरण केन्द्रो की स्थिति इस तरह देखी जा रही है मानों वहां पर मेला लग रहा है जिसके चलते पुलिस तैनात होते हुये देखने मिल रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों गाडरवारा से पलोहा की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित एक बेयर हाऊस में देखने मिली जब पर एक एक बोरी खाद प्राप्त करने के लिये किसानों का हुजुम लगा हुआ देखा गया तो व्यवस्थाये संभालने के लिये पुलिस को मोर्चा पर खड़ा होना पड़ा। इस संबंध में खाद की लाईन में खड़े हुये किसानों द्वारा चर्चा के दौरान बताया कि हम पहले बोनी करने के लिये डीएपी नही मिल पा रहा था और अब यूरिया खाद लेने के लिये सुबह से ही लाईन में लग जाते है मगर इसके बाद भी हमे खाद नही मिल पाता है। जबकि अनेक प्रभावशाली लोग इस तरह से होते है जिन्हे पर्याप्त मात्रा में खाद मिल रहा है और हम किसान लाईनों में भूखे प्यासे खड़े रहते है। इस तरह हम लोगों के खेतों में बोनी का कार्य चल रहा है उसे छोड़कर दिन दिन भर खाद लेने के लिये लाईन में लगे रहने से दूना नुकशान हो रहा है। मगर एक बात समझ से भरे हो रही है कि सरकार द्वारा अपने आपको किसानों की सरकार बताते हुये यह बात कही जा रही है कि किसानों के लिये खाद की कमी नही है तो दूसरी ओर अधिकारियों को भी यह बात कहते हुये सुना जाता है कि जिले में पर्याप्त मत्रा में खाद उपलब्ध है किसान भाई किसी भी बात की चिंता न करे। तो फिर हम लोगों को खाद मिल क्यों नही पा रही है।

नल जल योजना के नाम पर खोदी जा रही सड़कों के चलते शहीद नगरी चीचली की बिगड़ी सूरत

चीचली। नगर में नर्मदा जल कब आ पायेगा और आ पाता है कि नही इस बात की भी कोई गारंटी नही है? मगर इस समय नर्मदा जल लाने के लिये जिस तरह से लाखों रूपया की लागत से बनी हुई सड़को की खुदाई की जा रही है उसके चलते जरूर शहीद नगरी चीचली की सूरत बदहाल होने से नही चूक पा रही है? बताया जाता है कि जल सप्लाई करने के लिये निर्माण करने आई हुई कंपनी द्वारा जिस तरह से मजबूज सड़को के बीचों बीच से खुदाई करते हुये उन्हें तहस नहस कर दिया गया है उसके चलते लोगों के वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर अनेक जगहो पर खुदाई के बाद मिट्टी से पूर दिया गया है उसमें आये दिन वाहनों को फसते हुये देखा जा रहा है ओर वह खुलेआम बड़ी घटना के लिये आमंत्रण देने से नही चूक रहा है..? इस तरह शहर के सड़को की खुदाई करते हुये उन्हें बदहाल बनाये जाने के कारण जहां नगर के व्यापारियों का धंधा प्रभावित होने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर लोगों को अपने घरों तक वाहन ले जाना भी मुश्किल हो रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से सड़को की खुदाई किये जाने के चलते नगर पालिका प्रशासन को भी लाखों की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। मगर जब भी इस तरह इस योजना को लेकर चर्चा की जाती है तो सिर्फ जिम्मेदारों के मुंह से एक ही बात सुनने मिलती है कि इस योजना का आदेश तो ऊपर से ही आया है इसमें हम क्या कर सकते है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो योजना के नाम पर किये जाने वाले कार्य को पूर्ण करने के लिये आये हुये एजेन्सी द्वारा न तो योजना से संबंधित कोई वोर्ड स्थापित किया जाता रहा है और न ही निर्माण के संबंध में किस गुणवत्ता के साथ काम करने के नियम है उस सच्चाई से अवगत कराया जा रहा है? जिसके चलते जहां निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी पूर्णरूप से मनमाना पूर्ण रवैया अपनाते हुये लाखों की लागत से बनी हुई सड़को को छल्लनी करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। जबकि नियम के अनुसार तो यह बताया जाता है कि शहर के अंदर इस योजना के तहत विछाई जाने वाली पाईप लाईन के लिये सड़क के किनारे मजदूरों के माध्यम से खुदाई कराई जावेगी, जिससे सड़को को छति न पहुंचे और आसपास रहने वाले लोगों को भी किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर न होना पड़े? मगर यहां पर धडल्ले से मशीनों के माध्यम से सड़को के बीचों बीच खुदाई करते हुये देखा जा रहा है जो वर्तमान समय में यह योजना आमजन के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर भविष्य में नगरवासियों के लिये परेशानी का कारण साबित होते हुये देखी जावेगी।

एनटीपीसी द्वारा परियोजना से प्रभावित सात गांवों वितरित की गई स्ट्रीट लाइट

गाडरवारा। जिस तरह एनटीपीसी की स्थापना के दौरान एनटीपीसी से प्रभावित होने वाले गांवों के लोगों को अपने प्लांट में काम देने के साथ साथ प्रभावित गांवों को विकास व अन्य सुविधाये प्रदान करने की बात कही गई थी। उसी के परिपालन में एनटीपीसी द्वारा जहां इन प्रभावित गांवों के विकास में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। वही दूसरी ओर यहां पर आये दिन स्वास्थ्य शिविरों के आलवा बच्चों की पढ़ाई में भी अपना योगदान प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस एनटीपीसी गाडरवारा की परियोजना से प्रभावित सभी सभी 7 गांवों में नैगम सामाजिक दायित्व-सीएसआर के अंतर्गत 70 एलईडी स्ट्रीट लाइट चार पंचायतों के सरपंचों को प्रदान की गई। सरपंचों द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि सभी गांवों में 10 से 15 दिनों के भीतर स्ट्रीट लाइट लगा दी जायेगी। एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्राम चोर बरहेटा, डोंगरगांव, कुडारी, मेहराखेड़ा, उमरिया, गांगई तथा घाट पिपरिया में कुल 70 स्ट्रीट लाइन प्रदान की गई।

बीईओ एवं बीआरसी ने किया निरीक्षण

गाडरवारा। गुरुवार को ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या ने बीआरसी संदीप स्थापक के साथ क्षेत्र की विभिन्न शालाओं का अचानक पहुंचकर निरीक्षण करते हुए जरुरी निर्देश दिए। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के ग्राम चिरहकला, चामचोंन एवं धोखेड़ा की शासकीय माध्यमिक शालाओं एवं ग्राम नीमच की शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण करते हुए बच्चों के शेक्षणिक स्तर को जाँचा। वही उन्होंने एफएलएन एवं एटग्रेड अभ्यास पुस्तिकाओं को देखा एवं उन्हें जाँचने के निर्देश दिए एवं कहा कि दिसंबर माह मे अर्धवार्षिक परीक्षा होना है। परीक्षा के मद्देनजर निर्धारित कोर्स समय सीमा मे पूर्ण हों। छात्र छात्राओं की अपार आईडी जल्द बनाये एवं पढ़ाई मे गुणवत्ता हो इस उद्देश्य को लेकर सभी कार्य करें। इस अवसर पर जनशिक्षक नेपाल झारिया व शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

बिलासपुर-कटनी रेल खण्ड में रेल यातायात बहाल

अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-कटनी रेलखंड पर खोंगसरा एवं भनवारटंक स्टेशनों के मध्य एक मालगाड़ी के कुछ वैगनों का अप लाइन में पटरी से उतरने की घटना की वजह से खोंगसरा-भनव
रटंक सेक्शन में बाधित रेल यातायात को बहाल किया गया है । इस मार्ग पर डाउन लाइन में सुधार कार्य पुरा कर सायं 16.15 बजे डाउन लाइन को फिट दिया गया है। एवं डाउन लाइन से अप एवं डाउन दोनों दिशाओं की रेल यातायात को संचालित किया जा रहा है। अप लाइन में रेस्टोरेशन एवं सुधार कार्य जारी है। एवं इसे जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा।

संरक्षा आयुक्त करेंगे मालगाड़ी दुर्घटना की जांच

बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-अनूपपुर खंड के भनवारटंक में सुपर लांग हाल मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के संबंध में बी के मिश्रा, रेल संरक्षा आयुक्त (नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन), दक्षिण पूर्व सर्किल, कोलकाता 29.11.2024 को 10 बजे से (इंडियन रेलवे एक्ट 1989, के सेक्शन 113 के अंतर्गत) एक वैधानिक जांच आयोजित करेंगे। यह जांच मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर कार्यालय में जांच समाप्त होने तक जारी रहेगी। इस दुर्घटना एवं इससे संबंधित मामले के बारे में जानकारी रखने वाले तथा साक्ष्य प्रदान करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति जांच की तारीख को उपरोक्त स्थान पर साक्ष्य प्रदान कर सकते हैं अथवा रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व सर्किल, 14 स्ट्रांड रोड़, 12 वां तल, कोलकाता, 700001 को निम्न पते पर सूचित कर सकते है।

दोपहिया वाहन चला रहे नाबालिग छात्रों पर पुलिस ने की कार्यवाही

अनूपपुर। जिले में नाबालिग छात्रों द्वारा तेज गति और लापरवाही से दोपहिया वाहन चलाने की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए। गुरुवार सुबह थाना कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक गोविंद पनिका, प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति,आरक्षक गोपाल यादव, राजेश बड़ोले और गिरीश चौहान की टीम ने भारत ज्योति स्कूल के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान छः नाबालिग छात्रों को बिना वैध लाइसेंस और नियमों के उल्लंघन करते हुए दोपहिया वाहन चलाते पाया गया। जिनमे होंडा लीवो (एमपी 65 एमबी 9289), टीवीएस ज्यूपिटर (एमपी 65 एस 3014), होंडा मोटरसाइकिल (एमपी 65 एमडी 8664), हीरो सुपर स्प्लेंडर (एमपी 65 एमई 6615), मोटरसाइकिल (एमपी 65 एमडी 0639) तथा एक बिना नंबर की एक्टिवा मोपेड मिला जिस पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जप्त कर चालान की कार्रवाई की गई है।

केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में उत्साह के साथ मनाया गया संविधान दिवस

अनूपपुर। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में संविधान दिवस बड़े ही उत्साह एवं गौरव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संविधान की उद्देशिका के सामूहिक पाठ से हुई, जिसे प्राचार्य की उपस्थिति में छात्रों और शिक्षकों ने उनके साथ मिलकर पढ़ा। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से संविधान के मूल्यों और आदर्शों को उजागर किया एवं विद्यालय प्रांगण में उपस्थित समस्त जनों को देश के संविधान द्वारा प्रदत्त समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के महत्व को सरल शब्दों में समझाने का सफल प्रयास किया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक रामगोपाल प्रजापति द्वारा समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संविधान के महत्व एवं जनमानस के अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत करवाया गया तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कुमार तिवारी ने अपने प्रेरणादायक भाषण में भारतीय संविधान और उसकी निर्माण प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संविधान सभा की ऐतिहासिक भूमिका, इसकी अध्यक्षता करने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद और मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को संविधान के प्रति सम्मान और इसके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। तिवारी जी ने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि भारत में 26 नवंबर को संविधान दिवस क्यों मनाया जाता है।

सीसी सड़क के ऊपर सड़क दर्शा कर लाखों का गबन, जाँच रिपोर्ट गायब..?

अमरपुर। अमरपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहारी में वर्ष 2018-19 में पंच परमेश्वर योजना के तहत पूर्व में निर्मित सीसी सड़क के ऊपर सीसी सड़क स्वीकृत कर बगैर कार्य कराये फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपया भुगतान करने के आरोप लगे थे, ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराया था की सीसी सड़क निर्माण कार्य बिछिया मुख्य मार्ग से स्कूल तक पंच परमेश्वर योजना से कार्य स्वीकृत कर चंद्रभान ट्रेडर्स को दिनांक 02ध02ध2019 को एक लाख रूपये का भुगतान किया गया था जबकि जाँच के दौरान कार्यस्थल में काम नहीं मिला था, मामलें की जाँच पंचायत निरीक्षक अमरपुर द्वारा दिनांक 04ध04ध2019 को किया गया, जिसमें उल्लेख हैं की ग्राम वासियों द्वारा बताया गया की वर्ष 2018-19 में कोई कार्य नहीं कराया गया हैं, जाँच के दौरान कार्य स्थल का पंचनामा तैयार किया गया, जिसमें पाया गया की

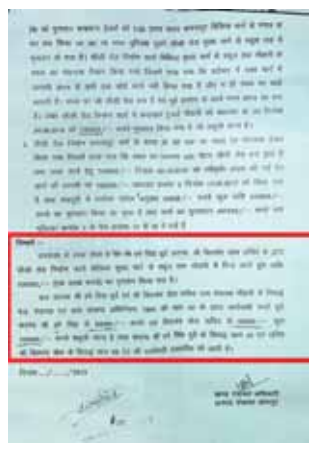

वर्तमान में उक्त मार्ग में जनवरी 2019 से अभी तक कोई कार्य नहीं किया गया है और न ही स्थल पर कोई सामग्री है, जाँच के दौरान पाया गया की स्थल पर जो सीसी रोड़ बना है वह भूतपूर्व सरपंच के कार्यकाल 2012 का बना हैं, उक्त सीसी रोड़ निर्माण कार्य में चंद्रभान ट्रेडर्स मौहारी को व्हाउचर क्रमांक 23 के माध्यम से एक लाख रूपये का भुगतान किये जाने को अवैध मानते हुए वसूली किए जाने का उल्लेख किया गया था, पंचायत निरीक्षक ने सीईओ को प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए उल्लेख किया था की सरपंच हरे सिंह धुर्वे एवं सचिव बिलचंद खेस के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम,1993 की धारा 92 के तहत कार्यवाही करने की अनुशंसा करते हुए सरपंच सचिव से 50000 - 50000 हजार रूपये वसूली करने का लेख करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था लेकिन सरपंच, सचिव एवं जनपद के अधिकारियों ने गबन के प्रतिवेदन को गायब कर दिया जिसके चलते जाँच के 06 साल बाद भी भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हो रही हैं, वही सूत्रों की माने तो जनपद पंचायत में उक्त जाँच प्रतिवेदन का पता ही नहीं हैं। इस तरह से सरकारी राशि में हेराफेरी करने वाले लोग जाँच के बाद भी उच्च अधिकारियों से लेनदेन कर कार्रवाई को प्रभावित करने से नहीं चूकते हैं।

विश्व दिव्यांग दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

विजेता प्रतिभागियों का जिला स्तर पर किया चयन

हरिभूमि न्यूज। अवसर पर खंड स्तरीय दिव्यांगजन विद्यार्थियों की खेलकूद साहित्यिक सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन जनपद शिक्षा केंद्र शहपुरा द्वारा स्थानीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में किया गया। एमआरसी हुकुम झारिया ने बताया कि खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में शासकीय अशासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालय के समस्त दिव्यांग विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रथम द्वितीय व तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिसमें गीत में प्रथम स्थान भगवती झरिया एवं द्वितीय स्थान आयुष साहू एवं तृतीय स्थान माध्यमिक शाला बिजोरी से दौड़ में प्रथम स्थान मोहित, कुर्सी दौड़ में प्रथम स्थान सीएम राइज स्कूल शहपुरा के फूलसिंह, सोनम झारिया नृत्य एवं डांस में प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान विद्या झरिया चित्रकला में प्रथम स्थान विवेक साहू द्वितीय स्थान विराट चक्रवर्ती तृतीय स्थान अंश अग्रवाल, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान परमेश्वरी एवं द्वितीय स्थान पब्लिक संस्कार स्कूल से तुलसी परस्ते, तृतीय स्थान में सुहाना झारिया रहे। पीडी पटेल बीईओ गुरुप्रसाद साहू बीआरसीसी संदीप सोनी प्राचार्य एवं जनशिक्षा केंद्र प्रभारी बीएसी म लाजवंती जीवनानी राजकुमार गुप्ता तनवीर केके तिवारी जनशिक्षक अश्विनी साहू अमर उलाड़ी संजय साहू दिनेश साहू हरिशरण साहू कृपाल माकों रामकुमार मरकाम हरि परस्ते सुरेश परस्ते ओमकार सैयाम प्रताप मरावी भुनेश्वर रजक चित्रेश सेन मानिक झारिया सतीष पाठक राहुल पाठक वर्षा त्रिपाठी रोशनी साहू अनुपमा, चित्रा धुर्वे बिल्सरे मेम सहित समस्त शिक्षक शिक्षिका एवं पालकगण उपस्थित रहे, मंच संचालन अश्विनी साहू द्वारा किया गया। कलेक्टर ने बंधक श्रम (उत्सादन) अधिनियम 1976 के तहत श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि ऑनलाइन बंधुआ श्रम पहचान, पुर्नवास, ट्रेकिंग और उन्मूलन हेतु लिर्वटी पोर्टल संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत बंधुआ श्रम उन्मूलन के कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने निर्देशित करते हुए कहा कि अधिनियमों के अनुसार मामलों पर प्रकरण बनाते हुए पुलिस की सहायता से एफआईआर कराऐं एवं मामलों का अभियोजन करें। बाल श्रम और बंधक श्रम उन्मूलन के लिए लोगों में जागरूकता का प्रसार करें और संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई गवर्निंग बोर्ड की बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आत्मा (कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अमिकरण) गवर्निंग बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, आत्मा प्रोजेक्ट संचालक नेहा धूरिया, उपसंचालक कृषि अभिलाषा चैरसिया, एलडीएम श्री रविशंकर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने आत्मा के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि आत्मा के तहत 34 घटकों पर कार्य किया जा रहा है। आत्मा के

तहत कृषकों को कृषि में उत्पादन बढ़ाने के लिए अलग-अलग कार्ययोजना में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से शोध कार्यो, नवाचार को प्रोत्साहित कर फसल गुणवत्ता व उत्पादन वृद्धि के लिए कृषकों को जागरूक कर रहे है। दिसम्बर माह में आत्मा का स्टॉफ टूर हैदराबाद के लिए प्रस्तावित है, वहीं दिसम्बर माह में ही कृषक प्रशिक्षण के लिए राज्य के बाहर एवं राज्य में कृषकों का चयन कर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। कलेक्टर हर्ष सिंह ने कृषकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। जिसमें रायपुर से प्रशिक्षण प्राप्त कर आए ग्राम मानपुर, समनापुर के कृषक श्री लाल सिंह ने बताया कि रायपुर में उन्होंने धान की पैदावार बढ़ा ने के तरीके, धान की प्रजातियों, अंतरवर्ती फसल, सब्जी उत्पादन, वर्मीकम्पोस्ट आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कलेक्टर हर्ष सिंह ने समूह क्षमता विकास प्रशिक्षण, जैविक खेती, एमपी किसान पोर्टल, किसान मेला, पूसाडीकम्पोजर, नरवाई प्रबंधन, एसआरआई पद्धति से धान उत्पादन, कृषि में नवाचार आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने कृषक प्रशिक्षण के लिए कृषकों के चयन, अंतरवर्ती कृषि, जैविक कृषि सहित अन्य आत्मा के तहत संचालित गतिविधियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कृषकों को नई तकनीक के लिए जागरूक करने एवं नवाचार प्रोत्साहन के लिए निर्देश दिए।

आबकारी विभाग की कार्यवाही में अवैध शराब के 4 प्रकरण कायम

डिंडौरी। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन व विक्रय के रोकथाम हेतु 27 नवंबर 2024 को आबकारी विभाग वृत्त शहपुरा और वृत डिंडोरी में अवैध शराब रखने व बिक्री संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर दबिश कर कार्यवाही की गई। जिसमे आरोपी चैती बाई पति जहांगीर ग्राम अमेरा से 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, चूरामन पिता समनू लाल ग्राम कोहानी देवरी से 05 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, तीतो बाई पति स्व. श्री बालाराम ग्राम कोहानी देवरी से 06 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब और समनी बाई पति वीर सिंह ग्राम विक्रमपुर से 5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब बरामद किया गया। इस प्रकार पंजीबद्ध कुल 4 प्रकरण में जप्त कुल 23 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 4600/- रुपए है। उक्त सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) ष कष तहत पंजीबद्ध किए गए।

जादू नहीं विज्ञान है का जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

शहपुरा। सुदूर ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में जादू टोने का अंधविश्वास दूर करने एवं विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम ष्जादू नहीं विज्ञान है, समझना- समझना आसान हैष का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रयपुरा में आयोजित किया गया। जिसमें डिंडोरी जिले के समस्त सातों विकासखंड के स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्राचार्य ए.के. जैन एवं विशिष्ट अतिथि प्रशांत कुमार साहू उच्च.मा.शिक्षक तथा शिक्षक स्टाफ के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन अर्चन करके की गई। इसके पश्चात सभी विकासखंडों के चयनित विद्यार्थियों के द्वारा निश्चित क्रम में अपने-अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों के द्वारा मंत्र शक्ति द्वारा भूत बुलाना, हाथ काट कर खून निकलना, मंत्रों के द्वारा नारियल में आग लगाना, मंत्र शक्ति से पानी में आग लगाना, नींबू काटकर खून निकलना, मंत्र द्वारा पानी का रंग बार-बार बदलना शामिल है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ए.के जैन के द्वारा प्रतिभागियों को विज्ञान की महत्ता बताते हुए उनसे आग्रह किया गया कि सभी विद्यार्थी अपने-अपने गांव में इस बात का प्रचार प्रसार करें कि जादू टोना के चक्कर में कोई भी ग्रामीण न पड़े। इसके उपरांत मुख्य अतिथि के द्वारा परिणाम की घोषणा की गई जिसमें प्रथम स्थान विकासखंड करंजिया (शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करंजिया) द्वितीय स्थान विकासखंड शहपुरा (शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा मॉडल विद्यालय शहपुरा, शा.उ.मा.वि. बरगांव) एवं तृतीय स्थान विकासखंड डिंडोरी (शा. उ. मा. वि. रयपुरा एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी) को प्राप्त हुआ।

सार्वजनिक स्थानों में नगर परिषद ने की अलाव की व्यवस्था

डिंडौरी। जिले में लगातार बढ़ती ठंड को देखते हुए मुख्य नगर परिषद अधिकारी सतेंद्र सालवार ने शहर के चैक-चैराहों व सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की व्यवस्था की है। पिछले कुछ दिनों से तापमान में गिरावट है। शीतलहर चल रही है, जिससे लोग परेशान हैं लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। शहर में गरीब और निसहाय लोगों और वैसे लोग जिन्हें ठंड से बचने के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े नहीं हैं। इनके लिए अलाव ही एकमात्र सहारा है।

मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने की आम जन से अपील

इस संबंध में मुख्यनगर परिषद अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वर्तमान में जिले के गिरते तापमान से कंपकंपा देने वाली सर्दी पड़ रही है। हर कोई स्वेटर, जैकेट, बूट और दूसरे चीजों से सर्दी से बचने बंदोबस्त कर रहा है।

इसी बीच थोड़ा ठहरकर उन लोगों के लिए भी सोचना चाहिए, जिनके पास सर्दी से

बचने के लिए कुछ भी नहीं है। मुख्यनगर परिषद अधिकारी ने स्वयंसेवी संस्थाओं, समाजसेवी संस्थाओं आदि से गरीब और निसहाय लोगों को इस कंपकंपा देने वाली सर्दी से राहत देने गर्म कपड़े और कंबल आदि का सहयोग देने की अपील की है।

कर्मयोगियों का करें सम्मान

इस शीतलहर के बीच नियमित रूप से स्वयं के स्वास्थ्य व नींद, आराम की परवाह किये बगैर कर्मयोगी नियमित रूप से व अपने निर्धारित समय पर समाचार पत्र का वितरण कर रहे हैं। जब लोग सुबह रजाई, कंबल से बाहर निकलना पसंद नहीं करते तब कर्मयोगी उनके घर तक ताजा समाचार पहुचाते हैं।

इन स्थानों पर की व्यवस्था

जिला चिकित्सालय, कॉलेज तिराहा, कंपनी चैक, भारत माता चैक, बस स्टैंड, राठौर धर्मशाला, गुजराती धर्मशाला, राम बाई धर्मशाला, समनापुर चैराहा, मण्डला स्टैंड, रैन बसेरा, लक्ष्मी मंदिर

धान उपार्जन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबु देवांगन, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री ए के श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्ष सिंह ने धान उपार्जन के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि 2300 रूपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 2 दिसंबर 2024 से 20 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। जिसके लिए 21 उपार्जन केन्द्रों की स्थापना की गई है एवं 6 केन्द्र प्रस्तावित हैं। धान उपार्जन के लिए 19 सितंबर से 14 अक्टूबर के मध्य पंजीयन किया गया। जिसमें 24091 किसानों ने पंजीयन किया। उपार्जन के लिए आजीविका मिशन, सहकारिता विभाग, खाद्य विभाग, उपार्जन केन्द्र प्रभारी, मिलर, ट्रांसपोर्टर सहित संबंधितों ने आवश्यक तैयारियां की हैं। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने उपार्जन के मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्था, नापतौल विभाग की कार्यवाही, उपकरणों का कैलिब्रेशन एवं प्रमाणीकरण, भंडारण व्यवस्था, परिवहन आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में पेयजल व्यवस्था, शीत ऋतु के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें। भंडारण में वेयरहाउस के भराव पर सतत निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार अन्य भंडारण व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उपार्जन के दौरान तौल व्यवस्था उचित रूप से सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने उपार्जन केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में समस्त एसडीएम को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र में उपार्जन के दौरान केन्द्र प्रभारी सभी व्यवस्थाओं को उचित रूप से संचालित करें।

राष्ट्रपति ने कुलपति के भ्रष्टाचार पर लिया संज्ञान

अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी के खिलाफ बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात और जनजातीय समाज की पहचान को नुकसान पहुंचाने के आरोपों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कुलपति द्वारा एक्ट के विपरीत कार्यपरिषद का फर्जी गठन, कार्यपरिषद की शक्तियों का दुरुपयोग कर फर्जी नियुक्तियां करने, फर्जी टेंडर जारी करने और विश्वविद्यालय के अधिनियम का उल्लंघन कर जनजातीय समाज को नुकसान किया गया है। कार्य परिषद में उच्च शिक्षा विभाग के बिना अनुमति अपने करीबी लोगों को फर्जी तरीके से परिषद का सदस्य बनाया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी, राजेश सिंह ने कुलपति के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की थी।

राजेश सिंह ने बताया कि जाँच में अधिनियम की धारा 24(1) और 24(2) के अनुसार, कार्यपरिषद में अनुसूचित जनजाति के पर्याप्त सदस्य होने चाहिए, लेकिन कुलपति ने जानबूझकर परिषद में अपने करीबियों को शामिल किया और जनजातीय सदस्यों को बाहर कर दिया। परिषद की बैठक के मिनट्स बिना सदस्यों के हस्ताक्षर के फर्जी तरीके से तैयार किए गए। यह गंभीर अपराध न केवल विश्वविद्यालय अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि जनजातीय समाज के हितों को ठेस पहुंचाने का षड्यंत्र भी है। कुलपति पर जनजातीय समाज के हितों को हानि पहुंचाने और उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुलपति ने विश्वविद्यालय को अपनी निजी संपत्ति मानते हुए कार्य किया और जनजातीय समाज को धोखा दिया। शिकायत में कहा गया है कि कुलपति ने जनजातीय समाज के खिलाफ षड्यंत्र करते हुए उनके अधिकारों और हितों पर चोट की है।

फर्जी परीक्षा प्रणाली से हजारों युवाओं का भविष्य खतरे में

राजेश सिंह ने बताया कि शिकायत में जिन बिन्दुओं की जाँच होनी है उसमें गैर-शिक्षण पदों की भर्ती के लिए निजी संस्थानों से फर्जी तरीके से परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी एक निजी संस्था को सौंपी गई, जो कुलपति के पुराने परिचित हैं।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के दम पर शिक्षक बन शिक्षा जगत को कर रहा 'कलंकित'

राजेन्द्रग्राम। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र पुष्पराजगढ़ की भोली भाली जनता को धोखे मे रखकर फर्जी दस्तावेज बनवाने में महारत हासिल किये डिंडौरी जिले के पनिका जाति के लोगों के पाप का घड़ा भरते जा रहा है। जिस पर अवसर के अनुसार अनुसंधान पर घड़ा बहुत जल्दी फूटने भी वाला है। बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर ने कमजोर वर्गों के विकास के लिए भारतीय संविधान मे आरक्षण का प्रावधान करके अनुसूचित जनजाति वर्ग का समुचित उत्थान करने हेतु अनुच्छेद-342 मे विशेष प्रावधान लिखे थे परन्तु इस आरक्षण का लाभ मूल आदिवासी कम ही ले पा रहे हैं, जबकि गैर अनुसूचित जनजाति के लोग फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवा कर बड़े बड़े सरकारी पदों पर आसीन हैं। सरकारी सेवा करने के लिए वांछित योग्यता और आरक्षित पदों के लिए वैध जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है तब जाकर सेवा मान्य किया जाता है। शासन फर्जी अंकसूची, निःशक्त प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के सत्यापन कर चयनित शिक्षकों को सेवा से पृथक किया जा रहा है पर इन फर्जी जाति प्रमाण पत्र वालों का शासन कोई सुध नही ले रहा है।

संविदा शिक्षक वर्ग-3 मे हुई थी नियुक्ति

आरक्षण का गला घोंटकर अवैध तरीके से मध्य प्रदेश संविदा शाला शिक्षक पात्रता परीक्षा 2008 मे सम्मिलित होकर जनपद पंचायत जैतहरी द्वारा मुरारी लाल धार्या ने अपनी नियुक्ति शासकीय प्राथमिक विद्यालय लखनपुर, संकुल केंद्र- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया, जिला - अनूपपुर मे करा लिए। मुरारी लाल धार्या (मूलपद- प्राथमिक शिक्षक) ग्राम - बाहरपुर रैयत, तहसील बजाग, जिला डिंडौरी के मूल निवासी हैं जिनके पिता घमीरा पनिका है। ग्राम बाहरपुर रैयत मे इनके पूर्वज आज भी निवासरत हैं। ग्राम बाहरपुर रैयत, तहसील बजाग जिला डिण्डौरी में इनके व इनके पूर्वजों के नाम से भूमि एवं अचल संपति है। इनके स्वयं के नाम पर भी ग्राम बाहरपुर रैयत में खसरा नम्बर 642 तथा 430/3 पर भूखण्ड दर्ज है। यहाँ तक कि ग्राम बाहरपुर की मतदाता सूची में इनका नाम सरल क्रमांक 752 गृह क्रमांक 116 मुरारी पिता घमीरा आयु 51 वर्ष, वोटर कार्ड क्रमांक- जेडवायएन 3622537 दर्ज है, वहीं इनकी पत्नी ममता बाई मुरारी आयु 42 वर्ष वोटर कार्ड क्रमांक केपीएक्स 1344241 दर्ज है। सूत्रों के अनुसार इन्होंने ग्राम पंचायत की गरीबी रेखा में भी अपना नाम दर्ज करा रखा है। मुरारी लाल धार्या की प्राथमिक शिक्षा बाहरपुर मे हुआ है और दाखिल खारिज रजिस्टर में निवासी बाहरपुर रैयत लिखा हुआ है।

फर्जी मूल निवास और जाति प्रमाण पत्र की कहानी

निवास और जाति प्रमाण पत्र के लिए भू अभिलेख, पटवारी प्रतिवेदन एवं शपथ की जरूरत होती है परंतु इन सब नियमो को दरकिनार करते हुए मुरारी लाल धार्या ने अपनी शातिर बुद्धि के बल और कूटरचित दस्तावेज से ग्राम -अचलपुर, तहसील पुष्पराजगढ़ जिला शहडोल (वर्तमान जिला -अनूपपुर) से सन 1986 मे फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवा लिए। यह भी ज्ञात हो कि निवास प्रमाण पत्र मे प्राथमिक विद्यालय अचलपुर से 5वीं और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय करौंदी से 8वीं से उत्तीर्ण बताया गया है, दोनो कक्षा की जानकारी भी शासन को गलत देकर निवास प्रमाण पत्र बनवाया गया है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 29 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आर्यिका अपूर्वमती माताजी ससंघ शुभागमन

तेंदूखेड़ा। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज की सुयोग्य शिष्या आर्यिकाअपूर्व मति माताजी का तेंदूखेड़ा नगर ससंघ आगमन हुआ ।जैन समाज के द्वारा आर्यिका संघ की भव्य मंगल अगवानी की गई। आर्यिका अपूर्व मति माताजी वर्षायोग केसली नगर में संपन्न हुआ है ।वर्षा योग के उपरांत माताजी का ससंग बिहार गुरुदेव आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि स्थल चंद्रगिरि डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ की ओर चल रहा है धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए माताजी ने कहा कि यह मनुष्य अपने जीवन में तीन वस्तुएं कमाता है नाम लिबास और मकान परंतु मरने के बाद नाम मुर्दा के रूप में परिवर्तित हो जाता है लिवास कफन में बदल जाता है और मकान का नाम शमशान हो जाता है । मनुष्य जीवन भर रुपया पैसा धन दौलत इकट्ठा करने में लगा रहता है। परंतु एक दिन उसे सब कुछ यहीं पर छोड़कर जाना पड़ता है। इसलिए समय रहते हुए सचेत हो जाना चाहिए क्योंकि खिलती हुई सुबह शाम को ढली होती है। जिंदगी की पीठ पर मौत लिखी होती है इन सांसों की कोई गारंटी नहीं होती है। माता जी ने कहा की लड़ना है तो लडो मगर आपस में नहीं अपने कर्मों से लड़ो । सब्जियों पर नहीं सब जीवों पर प्रेम बरसाओ ।

खेत में गाय घुसने पर मारपीट

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उमरिया मे खेत पर गाय घुस जाने के कारण दो पक्षों मे विवाद हो गया। विवाद को शांत कराने पहुंचे वृद्ध दशरथ लड़िया सहित अन्य घायल हो गये जिनका उपचार जिला चिकित्सालय मे किया जा रहा है दोनो पक्षों द्वारा थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई है।

उपचार हेतु हैदराबाद किया गया रेफर

हृदय रोग से पीड़ित को पीएम श्री एयर एम्बुलेंस का मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिये चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को लाभ देकर लाभान्वित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि देश के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य की अच्छी स्वास्थ्य सेवायें मिल तथा अच्छा उपचार दिया जावे। इसी क्रम में जिले के हृदय संबंधी उपचार के लिये हैदराबाद एयर एंबुलेंस से भेजा गया जिससे मरीज को बेहतर उपचार मिल सके।

आयुष्मान योजना के अंतर्गत मिला लाभ

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन और मुख्य अस्पताल अधीक्षक नरसिंहपुर जी सी चैरसिया द्वारा श्री जैन को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से रेफर किया गया है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बताया कि यह सेवा एयर रेफरल पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा एवं आयुष्मान योजना के अंतर्गत निशुल्क प्रदान की गई है। श्री जैन को 108 एम्बुलेंस वाहन के माध्यम से नरसिंहपुर से जबलपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया। जबलपुर से आज ही दिनांक को एयर एम्बुलेंस द्वारा इम्पैनल्ड किम्स हॉस्पिटल हैदराबाद के लिए भेजा गया।

मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवायें

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि इस सेवा के अंतर्गत हेली एम्बुलेंस एवं फिक्सड विंग कनवरटेंट फलाईंग एम्बुलेंस संचालित हो रही हैं। उक्त एयर एम्बुलेंस सेवा में सेवा प्रदाता संस्था के माध्यम से उच्च स्तरीय प्रशिक्षित चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम हमेशा तैनात रहती है। यह सेवा चिकित्सा के लिए आपात स्थिति निर्मित होने पर गंभीर रोगी दुर्घटना से पीड़ति को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफट करेंगी। यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निशुल्क एवं गैर आयुष्मान मरीजों के लिए सशुल्क रहेगी। सेवा प्रदाता संस्था आईसीएटीटी कम्पनी हैं। इस दौरान डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सिंह, डॉ. राहुल नेमा, 108 एम्बुलेंस के नोडल रंजीत चैधरी, घनश्याम जाटव, निर्दोश वैद्य आदि का सहयोग रहा।

कीम्स अस्पताल में होगा उपचार

जिले के करेली निवासी 70 वर्षीय विमल कुमार जैन हृदय रोग से पीड़ति हैं। उनके उपचार के लिए जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में भर्ती कराया गया था। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर द्वारा हृदय रोग से पीड़ति होने के कारण कीम्स हैदराबाद के लिए रेफर किया गया। उन्हें जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर से 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जबलपुर ले जाया गया। जबलपुर से उन्हें पीएम श्री एयर एम्बुलेंस से किम्स हॉस्पिटल हैदराबाद उपचार के लिए ले जाया गया।

एक दिवसीय अल्प विराम कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राज्य आनंद संस्थान के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम जनपद पंचायत चांवरपाठा में बुधवार को सम्पन्न हुआ। इस दौरान 3 मास्टर ट्रेनर, 5 आनंदक, 76 प्रतिभागी, इस दौरान सीईओ जनपद संजीव कुमार गोस्वामी, जिला नोडल अधिकारी जयनारायण शर्मा शामिल हुए। मास्टर ट्रेनर श्रीमती मुक्ति राय ने जीवन का लेखा- जोखा और यमुना विश्वकर्मा द्वारा चिंता एवं प्रभाव का दायरा अंतर्गत गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुति दी। आनंदक शशिकांत मिश्र ने जीवन में कम होते जा रहे आनंद पर अपने विचार साझा किये। प्रतिभागियों ने प्रत्येक सत्र में अल्पविराम की अनुभूति की और सत्रानुसार अपने विचार साझा किए। आनंदक अमित नामदेव एवं शुभम नाथ द्वारा कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रदान दिया। स्थानीय आनंदक सतीश कौरव द्वारा पंजीयन कार्य सहित कक्ष व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। आनंदक धर्मेन्द्र चंदेल एवं आनंदक सत्यम नेमा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत द्वारा आनंदक पेय और आनंद भोज की व्यवस्था प्रदान की।

रेवा नगर में किया जा रहा अवैध खनन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले मे अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए सरकार द्वारा रेत खनन करने का ठेका जिले की खदानों का विंध्यवासिनी माइनिंग कंपनी को दिया गया है लेकिन जिले के कुछ दबंग अवैध कारोबारियों द्वारा रेत खनन किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार दबंग द्वारा रेवा नगर खदान पर अवैध खनन किया जा रहा है। जिसे लेकर खनन कंपनी व दबंग के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होने की संभावना बन रही है। वही उक्त अवैध कारोबार से शासन को भी राजस्व की हानि हो रही है। प्रशासन को चाहिए कि ठोस कार्रवाई करते हुये अवैध खनन को बंद कराया जाए जिससे रेत व्यापार को लेकर जिले मे खूनी संघर्ष ना हो पाये। मिली जानकारी के अनुसार अवैध करोबारी द्वारा नर्मदा अवैध खनन करने के लिए रातों रात रोड बनाकर तैयार भी कर लिया गया। वही ज्ञात हो कि विगत सीजन मे प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुये रोड को खोदकर रास्ता बंद कर दिया गया था।

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत बैठक आज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2024 तक जिले में चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में घरेलू हिंसा से महिलाओं की संरक्षा अधिनियम पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में 29 नवम्बर को प्रात 11.30 बजे से आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर ने दी है।

राजस्व महाअभियान के तहत राजस्व प्रकरणों का हो रहा निराकरण

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राजस्व महाअभियान के प्रथम चरण और द्वितीय चरण की सफलता को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार राजस्व विभाग द्वारा राजस्व महाअभियान 3.0 का आयोजन 15 दिसम्बर 2024 तक चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को सुधारने का कार्य जिले में लगातार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 27 नवम्बर तक नामांतरण के 738, बंटवारा के 94, अभिलेख दुरुस्ती के 28, सीमांकन के 48, नक्शा अद्यतन के 11 हजार 763, आधार से आरओआर खसरे की तीन हजार 787 की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर 12 हजार 291 फार्मर रजिस्ट्री और 4 परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है। जिले में नामांतरण 84.34 प्रतिशत, बंटवारा 74.60 प्रतिशत, अभिलेख दुरुस्ती 38.89, सीमांकन 78.69 प्रतिशत, नक्शा 3.29 प्रतिशत, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग 1.81 प्रतिशत, फार्मर रजिस्ट्री 7.71 प्रतिशत और परंपरागत रास्तों का 50 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है।

राकिम संघ जताया आभार, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मुलाकात कर जिले में खाद माफियाओं के खिलाफ की जा रही सफल कार्यवाही और छापेमारी के लिए कलेक्टर सहित समस्त राजस्व विभाग को आभार पत्र सौंपते हुए जिले के किसानों की ओर से साधुवाद दिया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और जिले के किसानों की खाद संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। ज्ञापन सौंपते समय राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ से महाकौशल प्रांत अध्यक्ष ऋषिराज पटेल, जिला अध्यक्ष कमल सिंह लोधी, जिला संगठन मंत्री विमलेश सिंह लोधी, नरसिंहपुर तहसील अध्यक्ष प्रदीप गुमास्ता, तहसील उपाध्यक्ष लखन लाल लोधी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमनाथ पटेल उपस्थित रहे।

व्यसनों से बर्बाद हो गये कई परिवार भावी पीढ़ी को इससे बचायें

तेंदूखेड़ा व्यसन मुक्त समाज निर्माण की दिशा में जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृखाकी डेका द्वारा संपूर्ण जिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत गोद लिये ग्राम बिल्थारी में नशा मुक्ति पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों गायत्री परिजनों ने भाग लिया। सरस्वती पूजन के साथ शुरू हुई इस गोष्ठी में तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी बी एस चौधरी ने गोष्ठी की पृष्ठभूमि तथा जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा गांव-गांव चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान के मुख्य उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। गोष्ठी में सद्गुरु विद्या पीठ के संचालक पं चंद्रकांत चौबे ने सनातनी परम्पराओं और खान पान से शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से रेखांकित किया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन वृन्दावन पटेल ने काफी विस्तार से नशे के कारण होने वाली परिस्थितियों को धरातल की स्थिति का उल्लेख किया । और ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत किए जिस कारण से परिवार के परिवार तबाह हो गये हैं जमीन जायदाद बिक गई है। गोष्ठी के मुख्य वक्ता एस डी ओ पी मधुर पटैरिया ने स्पष्ट किया कि व्यसनों से यदि भावी पीढ़ी को बचा लिया तो हम समाज में उत्थान कर हर तरीके से समृद्ध बन जायेंगे।यह मानव जीवन बार बार नहीं मिलता इसलिए हमें समाज में हमेशा कुछ अच्छा करने के लिए ही प्रयास करना चाहिए। संपन्नता के चलते यदि यह नशा रुपी घुन हमारे परिवार में लग जाता है तो परिवार तवाह हो जाते हैं। आर्थिक मानसिक सामाजिक और शारिरिक रुप से नैतिक पतन होने के साथ विभिन्न घातक बीमारियों का शिकार भी हो जाते हैं। परिवार में प्रतिदिन विध्वंसक गतिविधियां बनने के साथ सभी की मानसिकता गड़बड़ बनीं रहतीं हैं वहीं बच्चों का भी विकास नहीं हो पाता और उनपर विपरीत प्रभाव पड़ता है।दंड से समस्या का हल नहीं निकलता बल्कि नशैलचियों आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति को मिल बैठकर समझाने की जरूरत है प्रेम स्नेह से अच्छे-अच्छे काम बन जाते हैं। अशिक्षा गलत संगत से लोग बुरी आदतों में पड़ जाते हैं लेकिन जरुरी नहीं कि वह पुनः वापिस ना लौटे।आज प्रशासन स्वयं इन आदतों से निजात दिलाने आपके गांव घर पहुंच रहा है। इसलिए जरूरी है कि हमें अपने गांव और परिवार को आदर्श परिवार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।इस गोष्ठी में गायत्री परिजनों की संगीत टोली के द्वारा नशा के दुष्परिणामों से संबंध गीतों के माध्यम से जन जागरण किया।संचालन गायत्री परिजन वृन्दावन पटेल ने तथा आभार प्रधान आरक्षक उमेश पटेल द्वारा किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुलिस विभाग ने छात्रों को सम्मानित किया

गोटेगांव। तहसील मुंगवानी और थाना ठेमी क्षेत्र में संविधान दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में संविधान के प्रति जागरूकता और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और कला का अद्भुत प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर किया गया, जिसमें छात्रों की कलाकृतियों का मूल्यांकन एक विशेष टीम द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल ने बच्चों के चित्रों का आकलन कर उन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर चयनित किया।सीएम राइज विद्यालय की छात्रा धनवती मेहरा ने अपनी उत्कृष्ट कला से प्रथम स्थान,करकबेल ठेमी की ओजस्वी नेमा ने द्वितीय स्थान, मुंगवानी की मुस्कान ठाकुर ने चित्रकला में तृतीय स्थान प्राप्त किया,आयोजन में गठित थीम और शिक्षकों की टीम ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।इस अवसर पर उपस्थित व्यक्तियों ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें संविधान और देश की मूलभूत अवधारणाओं को समझने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण और सभी बच्चों के सम्मान के साथ किया गया।कार्यक्रम में गोटेगांव एसडीओपी भावना मरावी, थाना प्रभारी प्रदीप सराफ,और प्राचार्य निरंजन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नव निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मचारी की तैनाती ना होने से वीरान पड़ा

गोटेगांव। तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिमरीबड़ी में स्थित नवनिर्मित भवन बंद पड़ा धूल फांक रहा है।शासन द्वारा ग्रामवासियों को गांव में ही स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो इसको दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत भवन के बाजू में आयुष्मान आरोग्य केंद्र का निर्माण कार्य किया गया था,ग्राम वासियों एवं आसपास के मरीजों को छुटपुट इलाज के लिए गोटेगांव आवागमन करना पड़ता है जिससे मरीजों का समय नष्ट हो जाता है। मरीज को उचित और तत्काल इलाज मिले इसी को सार्थक करने के लिए जन आरोग्य केंद्र की नीव रखी गई थी,और शासन ने लाखों रुपए की धनराशि खर्च कर दो मंजिला भवन का निर्माण किया,परंतु इस जन आरोग्य केंद्र के नवीन भवन को तैयार हुए लगभग डेढ वर्ष बीत चुके हैं, यह भवन पूरी तरह से रंगा पुताई होकर तैयार खड़ा है और नियमित स्वास्थ्य अधिकारी का इंतजार कर रहा है,परंतु यह ग्राम पंचायत का दुर्भाग्य है या वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी जिसके कारण अधिकारी उपलब्ध ना होने से यह भवन शोभा की सुपारी बन रहा है, ग्रामवासी बताते हैं कि करीब डेढ़ वर्ष पहले यह भवन बनकर निर्मित हुआ है परंतु यह भवन पिछले डेढ वर्ष से बंद पड़ा है कोई भी अधिकारी इस जन आरोग्य केंद्र में यहां आता जाता नहीं है,जिसके कारण यह बंद ही रहता है,शासन की क्या मशा है लाखों रुपए खर्च करके भवन तो तैयार कर दिए जाते हैं, वहीं उचित स्वास्थ्य अधिकारियों की तैनाती न होने से भवन का निर्माण सार्थक साबित नहीं हो पा रहा है, ग्रामीणों को गांव में ही बेहतर स्वास्थ सुविधा उपलब्ध हो इस दिशा में नियमित स्वास्थ्य कर्मचारी की तैनाती जल्द होनी चाहिए।

इनका कहना है

जन आरोग्य केंद्र में सीएचओ की तैनाती ना होने के कारण नियमित रूप से नहीं खुल पा रहा है।

डॉक्टर एस एस धुर्वे
सीबीएमओ गोटेगांव

नगर आगमन पर शंकराचार्य जी महाराज का हुआ भव्य स्वागत

गोटेगांव। स्थानीय नगर में पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के आगमन पर श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम प्रस्तुत किया। श्री राम मंदिर में पूजन-अर्चन के पश्चात जब पूज्य शंकराचार्य जी आलोक खरया के निवास पहुंचे, तो ढोल-नगाड़ों और भव्य आतिशबाजी के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।महाराज जी के स्वागत के लिए नगरवासियों ने पूरे हृदय से तैयारी की थी। जैसे ही शंकराचार्य जी ने वहां कदम रखा, जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। ढोल-नगाड़ों की मधुर धुन और आकाश में सजीव आतिशबाजी ने इस स्वागत को और भी यादगार बना दिया।निवास स्थान पर पादुका पूजन के साथ-साथ भक्तों ने महाराज जी से उनके पावन आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस मौके पर पूज्य महाराज ने धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया,यह दिन गोटेगांव के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक उत्सव साबित हुआ, जिसने नगरवासियों के दिलों में भक्ति और श्रद्धा की गहराई को और बढ़ा दिया,आलोक खरया और उनके परिवार ने इसे अपने जीवन का विशेष और यादगार दिन बताया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम ने नगर में धर्म और आध्यात्मिकता का एक नया संदेश प्रसारित किया इस अवसर पर विधायक महेंद्र नागेश,कांग्रेस नेता विभास जैन,लक्ष्मी नारायण तिवारी, सहित अन्य भक्तिगण उपस्थित रहे।

निजी स्कूल की बस ब्रेक फेल होने से ट्रक से टकराई, चार बच्चे घायल

गोटेगांव। नगर के कुम्हड़ाखेड़ा के पास एक स्कूल बस की टक्कर हो गई जिससे उसमें बैठे चार बच्चे घायल हो गए, नगर के निजी सेंट जोसेफ स्कूल की बस क्रमांक एमपी 13 जेएम 7644 गुरुवार की सुबह बच्चों को स्कूल ले जा रही थी जिसके ब्रेक ना लगने पर वह ट्रक से टकरा गई जिसमें बैठे चार बच्चों को मामूली चोट आई,गनीमत रही बस की स्पीड ज्यादा नहीं थी जिससे बड़ा हादसा होने में टल गया,वहीं घायल बच्चों को श्रीधाम हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार कराया गया।वही देखा जा रहा है गोटेगांव नगर में प्राइवेट स्कूलों के द्वारा कंडम वाहनों को स्कूल बस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है जिसमें बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है।जिम्मेदार परिवहन विभाग के द्वारा नियमित रूप से इन,वाहनों की जांच पड़ताल ना होने से नगर में पिछले लंबे समय से कंडम व जुगाड़ू स्कूली वाहन सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग मौन है। हर बार कोई बड़ा हादसा होने के बाद विभाग जागता है और सख्ती की जाती है, लेकिन यह सख्ती महज कुछ दिनों की ही होती हैं।

नगर में प्राइवेट स्कूल जाने वाले बच्चे खतरे में हैं।

जिस स्कूल बस,ऑटो और मैजिक से यह बच्चे जाते हैं। उन अधिकांश वाहनों की न तो फिटनेस है और न ही चालक प्रशिक्षित हैं। कई ऐसे वाहन हैं जिन्हें परिवहन विभाग कबाड़ घोषित कर चुका है,जिम्मेदार विभाग पूरे मामले को जानते हुए भी ऐसे स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करता अथवा कार्रवाई से बचता नजर आता है, क्या इन स्कूल संचालकों की सेटिंग परिवहन विभाग से रहती है,जिससे उन पर कार्रवाई नहीं होती, ज्यादातर स्कूली छोटे-बड़े वाहनों में अग्निशमन यंत्र के कोई इंतजाम नहीं हैं,और इनकी फिटनेस भी सही नहीं है,जबकि यह वाहन नौनिहालों को स्कूल लाने-जाने का काम कर रहे हैं,ऐसे में बच्चों के जीवन को खतरे में डाला जा रहा है,जबकि परिवहन विभाग की ओर से वाहनों में अग्निशमन यंत्र लगाकर ही संचालित कराने के स्पष्ट निर्देश है, लेकिन इसके बाद भी स्कूल प्रशासन इस पर अमल नहीं कर रहे हैं।

पत्रकारों ने नगर में नो एंट्री का दिया था सुझाव

दिक्कत दिनों पुलिस अधीक्षक के दौरे के समय पत्रकारों ने नगर में सुबह दो घंटे एवं शाम दो घंटे की भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एंट्री का सुझाव जिस पर पुलिस अधीक्षक ने सुझाव पर अमल करने की हामी भरी थी लेकिन आज दिनांक तक उस संबंध में कोई भी कार्यवाही नहीं हुई।

इनका कहना है

आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है,स्कूल में लगे ऐसे वाहनों की जांच करवाता हूं।

जितेंद्र शर्मा
जिला परिवहन अधिकारी